मोहनजोदड़ो: यूनेस्को का वशि्व धरोहर स्थल

प्रलिमि्स के लयि:

सधि्‍‍धु घाटी सभ्यता, वशि्व वरिासत का महत्त्व, पाकस्तिान में बाढ़।

मेन्स के लयि:

मोहनजोदड़ो, यूनेस्को का वशि्व धरोहर स्थल।

चर्चा में क्यों?

पाकस्तिान के पुरातत्व वभिाग ने चेतावनी दी है कि सिधि प्रांत में **भारी वर्षा से मोहनजोदड़ो** के वशि्व धरोहर का दर्जा खतरे में पड़ गया है।

वरिासत स्थल को खतरा:

- 16 और 26 अगस्त, 2022 के बीच, मोहनजोदड़ो के पुरातात्वकि खंडहरों में **रकिॉर्ड 779.5 मि.मी.** वर्षा हुई, जसिके परणिामस्वरूप **"स्थल को काफी नुकसान हुआ और स्तूप गुंबद की सुरक्षा दीवार सहति कई दीवारें आंशकि रूप से गरि गईं"** है।
  - मुनीर क्षेत्र, स्तूप, महान स्नानागार और इन खंडहरों के अन्य महत्त्वपूर्ण स्थल प्राकृतकि आपदा से बुरी तरह प्रभावति हुए हैं।
- यह आशंका है कि मोहनजोदड़ो के खंडहरों को वशि्व वरिासत सूची से हटाया जा सकता है, इसलयि सधि के अधकिारयिों ने स्थल पर संरक्षण और बहाली के कार्य पर तत्काल ध्यान देने का आह्वान कयिा है।

मोहनजोदड़ो के प्रमुख बदि:

- मोहनजोदड़ो का स्थल, जसिका शाब्दकि अर्थ है **'मृतकों का टीला'** सधि्‍‍धु घाटी सभ्यता (IVC) के महत्त्वपूर्ण स्थलों में से एक है।
  - सधि्‍‍धु घाटी सभ्यता के स्थल पाकस्तिान-ईरान सीमा के पास बलूचस्तिान में सुत्कागेनडोर से लेकर उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़लि के आलमगीरपुर तक और जम्मू के मांडा से लेकर महाराष्ट्र के दाइमाबाद तक फैले एक बड़े क्षेत्र में पाए गए हैं।
  - भारत में हड़प्पा सभ्यता के अन्य महत्त्वपूर्ण स्थल **गुजरात में लोथल,** धौलावीरा और **राजस्थान में कालीबंगा** हैं।
- **हड़प्पा के साथ-साथ मोहनजोदड़ो भी कांस्ययुगीन** (3300 ईसा पूर्व से 1200 ईसा पूर्व) शहरी सभ्यता का सबसे प्रसदि्ध स्थल है।
- यह लगभग 3,300 ईसा पूर् और 1,300 ईसा पूर्व के बीच सधि्‍‍धु घाटी में वकिसति हुआ, इसका **'परपिक्व'** चरण 2,600 ईसा पूर्व से 1,900 ईसा पूर्व तक था।
- दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के मध्य में सभ्यता का पतन **जलवायु परविर्तन** जैसे कारणों से माना जाता है।
- मोहनजोदड़ो की खुदाई वर्ष 1920 में शुरू हुई थी और वर्ष 1964-65 तक चरणों में जारी रही, अभी भी केवल एक छोटे से हस्सि की खुदाई की गई है।
  - मोहनजोदड़ो की प्रागैतहिासकि प्राचीनता की खोज वर्ष 1922 में **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के रखाल दास बनर्जी** ने की थी।
- यह स्थल ईंट से बने फुटपाथ, वकिसति जल आपूर्ति, जल नकिासी, शौचालयों, वशाल अन्नागार और स्नानागार एवं स्मारक भवनों के साथ परस्पर समकोण पर काटती हुई सड़कों तथा वस्तितृत नगर नयिोजन प्रणाली के लयि प्रसदि्ध है।
- अपने चरमोत्कर्ष और अत्यधकि वकिसति सामाजकि संगठन के साथ इसके अनुमानति नविासयिों की संख्या 30,000 से 60,000 के मध्य थी
- कराची से 510 कलिोमीटर उत्तर पूर्व और सधि में लरकाना से 28 कलिोमीटर दूर बनि पकी ईंट के वशिाल शहर के खंडहरों को वर्ष 1980 में यूनेस्को की वशि्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई थी।

यूनेस्को के वशि्व धरोहर स्थल:

- **परचिय:**
  - वशि्व धरोहर/वरिासत स्थल का आशय एक ऐसे स्थान से है, जसि यूनेस्को द्वारा उसके वशिषि्ट सांस्कृतकि अथवा भौतकि महत्त्व के कारण सूचीबद्ध कयिा गया है।
  - वशि्व धरोहर स्थलों की सूची को **'वशि्व धरोहर कार्यक्रम'** द्वारा तैयार कयिा जाता है, यूनेस्को की 'वशि्व धरोहर समति' द्वारा इस

कार्यक्रम को प्रशासित किया जाता है।
  - यह सूची **यूनेस्को द्वारा वर्ष 1972 में अपनाई गई** 'विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण से संबंधित अभिसमय' नामक एक अंतर्राष्ट्रीय संधि में सन्निहित है।

- **सूचीबद्ध स्थलों की संख्या:**
  - इसके **167 सदस्य देशों में लगभग 1,100 यूनेस्को सूचीबद्ध स्थल** हैं।
  - वर्ष 2021 में यूनाइटेड किंगडम में **'लिवरपूल मैरीटाइम मर्केंटाइल सिटी'** को **"संपत्ति के उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य को व्यक्त करने वाली विशेषताओं के अपरिवर्तनीय नुकसान"** के कारण विश्व विरासत सूची से हटा दिया गया था।
    - वर्ष 2007 में यूनेस्को पैनल ने **ओमान में अरब ओरिक्स अभयारण्य को अवैध शिकार और निवास स्थान के क्षरण पर चिंताओं** के बाद और वर्ष 2009 में जर्मनी के **ड्रेसडेन में एल्बे घाटी को एल्बे नदी के पार वाल्डस्च्लोसेचेन रोड ब्रिज के निर्माण के बाद** इस सूची से हटा दिया।
- **भारत के स्थल:**
  - भारत में कुल 3691 स्मारकों और स्थल हैं। इनमें से 40 यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल के रूप में नामित हैं।
  - जिसमें **ताजमहल, अजंता और एलोरा की गुफाएँ** शामिल हैं। विश्व धरोहर स्थलों में **असम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान** जैसे प्राकृतिक स्थल भी शामिल हैं।
    - गुजरात में हड़प्पा शहर **धोलावीरा भारत के 40वें विश्व धरोहर स्थल** के रूप में।
    - **रामप्पा मंदिर (तेलंगाना)** भारत का 39वाँ विश्व धरोहर स्थल था।
    - **कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान**, सिक्किम को भारत का पहला और एकमात्र **"मिश्रित विश्व विरासत स्थल"** के रूप में चिह्नित किया गया है।
  - वर्ष 2022 में **केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने वर्ष 2022-2023** के लिये विश्व विरासत स्थल के रूप में विचार करने के लिये **होयसल मंदिरों के पवित्र समागम** को नामित किया।

यूनेस्को (UNESCO):

- **परिचय:**
  - यूनेस्को को वर्ष 1945 में स्थायी शांति के निर्माण के साधन के रूप में 'मानव जाति में बौद्धिक और नैतिक एकजुटता' विकसित करने हेतु स्थापित किया गया था।
  - इसका मुख्यालय **पेरिस, फ्राँस में स्थित** है।
- **यूनेस्को की प्रमुख पहलें**
  - मानव व जीवमंडल कार्यक्रम
  - विश्व विरासत कार्यक्रम
  - यूनेस्को ग्लोबल जियोपार्क नेटवर्क
  - यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज़ नेटवर्क
  - एटलस ऑफ द वर्ल्ड्स लैंग्वेजेज़ इन डेंजर

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों में से कौन सा/से सिंधु सभ्यता के लोगों की विशेषता/विशेषताएँ प्रदर्शित करता है/करते हैं? (2013)

1. उनके पास बड़े-बड़े महल और मंदिर थे।
2. वे पुरुष और स्त्री दोनों रूपों में देवताओं की पूजा करते थे।
3. उन्होंने युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे गए रथों को नियोजित किया।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2
(c) 1, 2 और 3
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं है

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- सिंधु घाटी स्थलों की खुदाई ने पुष्टि की कि सिंधु घाटी सभ्यता के निवासियों ने बड़ी स्मारक संरचनाओं का निर्माण नहीं किया था। महलों या मंदिरों या यहाँ तक कि राजाओं, सेनाओं या पुजारियों का भी कोई निर्णायक प्रमाण नहीं है। पाए जाने वाले सबसे बड़े ढाँचे अन्न भंडार हैं। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- मोहनजोदड़ो शहर में बृहत् स्नानागार है, जो शायद एक बड़ा, सार्वजनिक स्नान और सामाजिक क्षेत्र रहा होगा।
- विभिन्न खुदाई के दौरान मिली मिट्टी की मुहरों से एक पुरुष भगवान की उपस्थिति का पता चलता है। विभिन्न जानवरों से घिरी एक टोपी पहने हुए एक

पुरुष भगवान के साथ मुहर, शक्ति के पुरुष प्रतीक में विश्वास को प्रोत्साहित करती है। उत्खनन में मिली एक महिला भगवान की मूर्ति भी सृजन के स्रोत के रूप में महिला पर उनकी मान्यताओं का सुझाव देती है। **अत: कथन 2 सही है।**

- सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान घोड़ों द्वारा खींचे गए रथों का कोई प्रमाण नहीं है। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

मेन्स

प्रश्न: सिंधु घाटी सभ्यता की शहरी नियोजन और संस्कृति ने किस हद तक वर्तमान शहरीकरण को इनपुट प्रदान किया है? चर्चा कीजिये। **(2014)**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mohenjo-daro-unesco-s-world-heritage-site